धनि सूसै भरे भादौं माहा। अबहुं न आएहि सींचति नाहा॥

पूरबा लाग भूमि जल पूरी। आक जवास भई तस झूरी॥

थल जल भरे अपूर सब, धरती गगन मिलि एक।

धनि जोबन अवगाह महँ, दे बूड़त, पिउ। टेक॥

6. तुलसीदास की काव्य रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

7. 'मीरा के काव्य में लोक संस्कृति की झाँकी दिखाई देती है।" इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

8. पद्माकर के काव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

9. कबीरदास के समाज सुधारक रूप की समीक्षा कीजिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. सूरदास की भक्ति-भावना पर एक लेख लिखिए।

11. 'पद्मावत' के आधार पर जायसी के काव्य सौंदर्य का मूल्यांकन कीजिए।

12. "बिहारी के काव्य में भक्ति-नीति-शृंगार का समन्वय बखूबी हुआ है।" इस कथन का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

13. घनानन्द के काव्य में अनुभूति एवं अभिव्यक्ति पक्ष का विवेचन कीजिए।

MAHD–01

December – Examination 2023

M.A. (Previous) Examination

HINDI

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Paper : MAHD-01

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

   (i) रीतिसिद्ध काव्यधारा का तात्पर्य क्या है ?

   (ii) 'विनयपत्रिका' की काव्य संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

   (iii) सूरदास की सख्य भक्ति भावना से आप क्या समझते हैं ?

(iv) मीरा का जीवन परिचय संक्षेप में लिखिए।

(v) मैथिल कोकिल' किस कवि को कहा जाता है ?

(vi) पद्माकर की किन्हीं **दो** काव्य कृतियों का नामोल्लेख कीजिए।

(vii) भूषण की कविता में राष्ट्रीय भावना को स्पष्ट कीजिए।

(viii) घनानन्द को रीतिमुक्त काव्यधारा का प्रमुख कवि क्यों माना जाता है ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

देह धरे दोगत्ति। भोग जोगह तिन सेवा॥

कैवन कै वनिता। अगनि तप कै कुत्र लेवा॥

गिरि कंदर जल मीन। पियन अधरा रस भारी॥

जिगि नींद मद उमद। कै छगन वसन सवारी॥

अनुराग बीत कै राग मन। वचन तिय गिर झरन रति॥

संसार विकट इन विधि तिरय। इही विधि सुर असुर अति॥

3. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

सखि हे हमर दुखद नहिं ओर

ई भर बादर माह भादर सून मंदिर मोर

झंपि घन गरजंति संतत भुवन भरि बरसंतिया

कंत पाहुन काम दारुन, सघन खर सर हंतिया

कुलिस कत सत पात मुदित, मयूर नाचत मातिया

मत दादुर डाक डाहुक, फाटि जायत छातिया।

तिमिर दिन भरि घोर जामिनि अथिर बिजुरिक पाँतिया

विद्यापति कह कइसे गमाओब हरि बिना दिन रातिया।

4. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

पीछे लागा जाई था, लोक वेद के साथि।

आगे थैं सतुगुरु मिल्या, दीपक दीया हाथि॥

दीपक दीया तेल भरि, बाती दई अघट्ट

पूरा किया बिसाहुणा, बहुरि न आवौं हट्ट॥

5. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

भा भादों दूभर अति भारी। कैसे भरौं रैनि अंधियारी॥

मंदिर सून पिउ अनतै बसा। सेज नागिनी फिरि फिरि डसा॥

रहौं अकेलि गहे एक पाटी। नैन पसारि मरों हिय फाटी॥

चमकि बीजु घन गरजि तरासा। बिरह काल होइ जीउ गरासा॥

बरसै मघा झकोरी झकोरी। मोर दुइ नैन चुवै जस ओरी॥